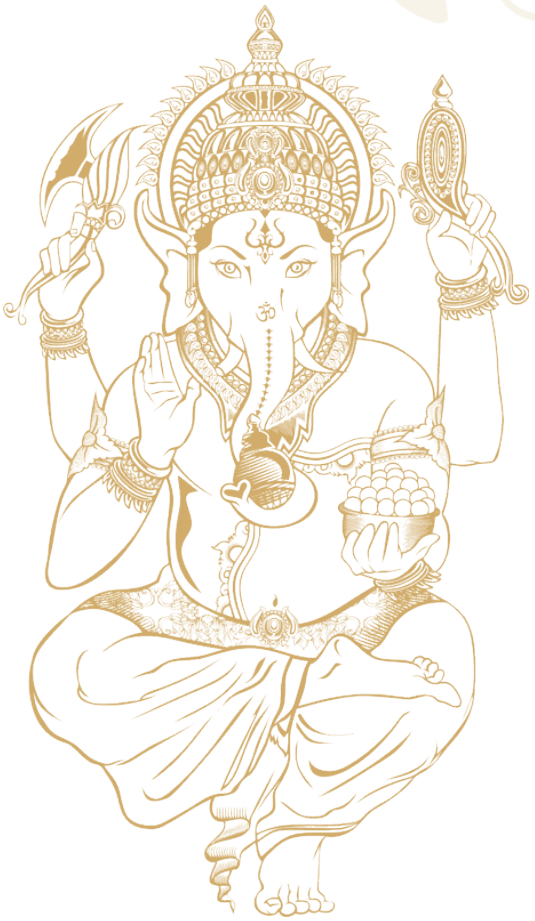

Gurdit

21 Aug 2009

08:00 PM

Kurukshetra

Model: web-freekundliweb

Order No: 121673905

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**21/08/2009**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**20:00:00 घंटे**
इष्ट	35:16:32 घटी
स्थान	**Kurukshetra**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	29:59:00 उत्तर
रेखांश	76:51:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:22:36 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	19:37:24 घंटे
वेलान्तर	-00:03:09 घंटे
साम्पातिक काल	17:37:34 घंटे
सूर्योदय	05:53:23 घंटे
सूर्यास्त	18:57:29 घंटे
दिनमान	13:04:07 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	04:40:22 सिंह
लग्न के अंश	27:52:27 कुम्भ

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कुम्भ - शनि
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**पू०फाल्गुनी - 3**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	शिव
करण	बालव
गण	मनुष्य
योनि	मूषक
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	टी-टीकम
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कुंभ	27:52:27	521:51:02	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	---
सूर्य			सिंह	04:40:22	00:57:49	मघा	2	10	सूर्य	केतु	चंद्र	मूलत्रिकोण
चंद्र			सिंह	21:05:58	14:39:29	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	मित्र राशि
मंगल			मिथु	03:22:04	00:38:40	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	शुक्र	शत्रु राशि
बुध			कन्या	01:47:26	01:04:57	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	गुरु	उच्च राशि
गुरु	व		मक	27:10:46	00:07:44	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	गुरु	नीच राशि
शुक्र			मिथु	29:59:14	01:11:00	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	चंद्र	मित्र राशि
शनि			सिंह	27:40:04	00:07:06	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	चंद्र	शत्रु राशि
राहु	व		मक	06:00:36	00:03:51	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	मित्र राशि
केतु	व		कर्क	06:00:36	00:03:51	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	बुध	मित्र राशि
हर्ष	व		मीन	01:39:51	00:02:03	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	---
नेप	व		कुंभ	00:58:37	00:01:38	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	---
प्लूटो	व		धनु	06:46:35	00:00:38	मूल	3	19	गुरु	केतु	राहु	---
दशम भाव			धनु	00:51:36	--	मूल	--	19	गुरु	केतु	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:59:46

लग्न-चलित

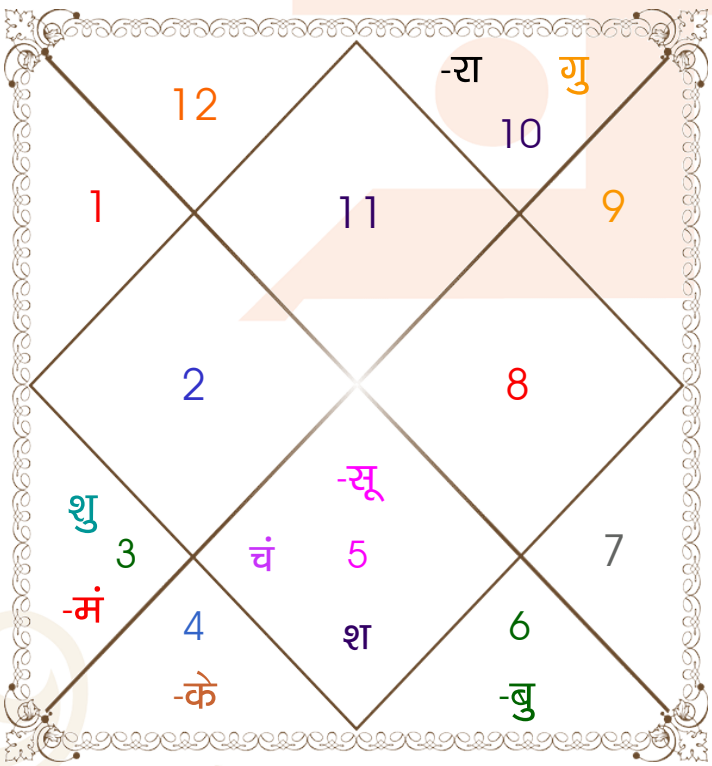

चन्द्र कुंडली

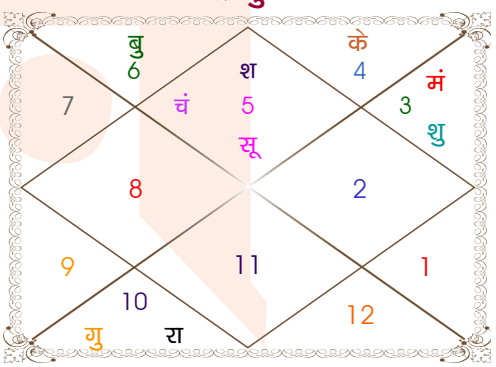

नवमांश कुंडली

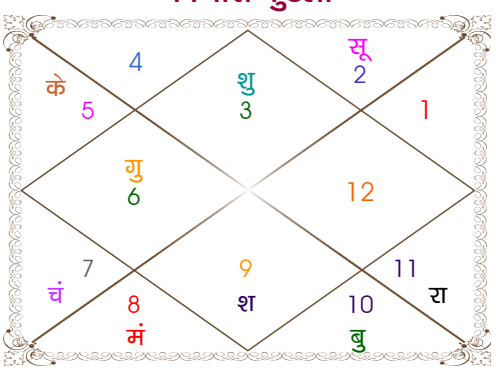

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 8 वर्ष 4 मास 6 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
21/08/2009		27/12/2017		28/12/2023		27/12/2033		27/12/2040	
27/12/2017		28/12/2023		27/12/2033		27/12/2040		28/12/2058	
	00/00/0000	सूर्य	16/04/2018	चंद्र	27/10/2024	मंगल	26/05/2034	राहु	09/09/2043
	00/00/0000	चंद्र	16/10/2018	मंगल	28/05/2025	राहु	13/06/2035	गुरु	02/02/2046
	00/00/0000	मंगल	20/02/2019	राहु	27/11/2026	गुरु	19/05/2036	शनि	09/12/2048
	00/00/0000	राहु	15/01/2020	गुरु	28/03/2028	शनि	28/06/2037	बुध	28/06/2051
	21/08/2009	गुरु	02/11/2020	शनि	28/10/2029	बुध	25/06/2038	केतु	16/07/2052
गुरु	28/10/2010	शनि	15/10/2021	बुध	29/03/2031	केतु	21/11/2038	शुक्र	17/07/2055
शनि	27/12/2013	बुध	22/08/2022	केतु	28/10/2031	शुक्र	21/01/2040	सूर्य	09/06/2056
बुध	27/10/2016	केतु	28/12/2022	शुक्र	28/06/2033	सूर्य	28/05/2040	चंद्र	09/12/2057
केतु	27/12/2017	शुक्र	28/12/2023	सूर्य	27/12/2033	चंद्र	27/12/2040	मंगल	28/12/2058

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
28/12/2058		28/12/2074		27/12/2093		29/12/2110		28/12/2117	
28/12/2074		27/12/2093		29/12/2110		28/12/2117		00/00/0000	
गुरु	14/02/2061	शनि	30/12/2077	बुध	25/05/2096	केतु	27/05/2111	शुक्र	29/04/2121
शनि	28/08/2063	बुध	09/09/2080	केतु	22/05/2097	शुक्र	26/07/2112	सूर्य	29/04/2122
बुध	03/12/2065	केतु	18/10/2081	शुक्र	23/03/2100	सूर्य	01/12/2112	चंद्र	29/12/2123
केतु	09/11/2066	शुक्र	18/12/2084	सूर्य	28/01/2101	चंद्र	02/07/2113	मंगल	27/02/2125
शुक्र	10/07/2069	सूर्य	30/11/2085	चंद्र	29/06/2102	मंगल	28/11/2113	राहु	28/02/2128
सूर्य	28/04/2070	चंद्र	01/07/2087	मंगल	26/06/2103	राहु	17/12/2114	गुरु	22/08/2129
चंद्र	28/08/2071	मंगल	09/08/2088	राहु	13/01/2106	गुरु	22/11/2115		00/00/0000
मंगल	03/08/2072	राहु	16/06/2091	गुरु	20/04/2108	शनि	31/12/2116		00/00/0000
राहु	28/12/2074	गुरु	27/12/2093	शनि	29/12/2110	बुध	28/12/2117		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 8 वर्ष 4 मा 22 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा भाद्रपद नक्षत्र के तृतीय चरण में कुंभ लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन का नवमांश एवं तुला राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। इस लग्नादिक समन्वय स्थिति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपके जीवन का प्रारूप चमत्कृत नियमावली में अंकित है। आपका जीवन गप-शप एवं सुखद वातावरण में व्यतीत होगा तथा आप पर्याप्त धन-दौलत से युक्त संपन्न एवं आपका घर-परिवार प्रसन्न रहेंगे।

आप धनोपार्जन के कलाकार एवं मास्टर हैं। आप दूसरे के साथ उदार भावनाओं से युक्त सहायता करने वाले हैं। आप शीघ्रता पूर्वक पर्याप्त मात्रा में धनोपार्जन कर उसे सुरक्षित कर सकेंगे। आप निश्चित रूप से आलसी नहीं है। आप महत्वपूर्ण विषयों का गहनतापूर्वक अध्ययन कर उस कार्यक्रम को विकसित करने के प्रति रूचिवान रहेंगे। आप धर्म दर्शन शास्त्र का सदैव अध्ययन कर सकेंगे। आपके लिए कार्य-व्यवसायों में अनुकूल धार्मिक एवं दार्शनिक कार्य, ज्योतिषीय कार्य, भाषा ज्ञान का कार्य शैक्षणिक कार्य एवं राजनीति के कार्य लाभदायक पथ हैं। आप इन चिह्नित कार्य-व्यवसायों में से कोई भी कार्य व्यवसायों का चयन कर सकते हैं।

आप वास्तव में उच्च स्तरीय विषयों पर चिंतन करने से दिलचस्पी रखते हो। आप मृत्यु के पश्चात जीवन की क्या गति होती है। इसके संबंध में ज्ञान प्राप्त करना चाहते हो। आप यदा-कदा ऐसा सोचते है कि सभी कुछ को त्याग कर जीवन दर्शन का ध्यान साधना करें।

अन्यथा आप अपने कार्य व्यवसाय के संबंध में अत्यंत व्यस्त रहने वाले व्यवस्थित प्राणी हैं। आप भीड़-भाड़ से बच कर सिर के बल सर्वप्रथम प्रमुख विषयों का अध्ययन कर अपनी कार्य योजना को विकसित करने की कार्य शैली पर विचार करते हो। दूसरी बात यह है कि आप अपने पक्ष में उत्कृष्ट पहुंच प्राप्त करने के लिए सामर्थ्यवान है। आप विधि पूर्वक किसी भी कार्य को संपन्न करने हेतु सक्षम प्राणी हैं।

परंतु आपके सभी समर्पित कार्य विश्वसनीयता के माध्यम से संचालित होता है। बल्कि आप धनोपार्जन हेतु कोई गलत ढंग मार्ग या पहुंच नहीं चाहते। आप दूसरों के माध्यम से उपर्युक्त विषयों के संबंध में (खुलम खुल्ला) प्रत्यक्ष रूप से अव्यवस्थित मूल्यांकन करना नहीं चाहते। आपसे संबंधित कुछ मित्र विजय श्री प्राप्त करना चाहते हैं। परंतु आपको सतर्क रहना चाहिए। आप अत्यंत सावधान रह कर, अपने निकट संबंधियों का ध्यान रखें, क्योंकि कुछ लोग आपकी योजना के प्रति धोखा-धड़ी करके आपकी सफलता को अवरूद्ध कर स्वयं आगे निकल जाएं।

जहां तक आपके समक्ष स्वास्थ्य से संबंधित समस्याएं बिल्कुल ठीक है। परंतु आयु की वृद्धि के साथ-साथ कतिपय रोगादि सामान्य कुप्रभाव डाल सकते हैं, जिसके आधार पर आपको अधिक चिंताग्रस्त बना सकता है। अतः आप रक्तचाप, मिरगी, जॉनडिस, ट्यूमर आदि रोगों के प्रति समय-समय पर अपने चिकित्सक से विचार-विमर्श करना उत्तम होगा। आपके उत्तम घरेलू वातावरण के प्रभाव से भी आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। आप अपने गृहस्थाश्रम के

संबंध में भाग्यशाली हैं, क्योंकि आपके जीवन में बुद्धिमती पत्नी एवं समझदार पुत्र आपके आनंददायक जीवन में सहायक होंगे।

ऐसा संदेह है कि आप प्रतिष्ठित व्यक्ति हैं अथवा नहीं? आप एक अत्यंत समृद्धिशाली व्यक्ति के समान धनी हो जाओगे। परंतु कुछ समय के बाद आप आवश्यकता के अनुरूप अपने को बना लेंगे। आप में एक परिश्रमी कार्य कर्त्ता के गुण विद्यमान हैं तथा आप धैर्यपूर्वक किसी कार्य के परिणाम की प्रतीक्षा करते हैं। सब कुछ के बाद आप धन को ही प्राथमिकता नहीं देते तथा निरंतर इसके पीछे नहीं पड़े रहते हैं। परंतु मात्र सांसारिक आवश्यकता हेतु आवश्यक है।

आप सदैव अंक 2, 3, 7 एवं 9 अंक पर भरोसा रख सकते हैं तथा इस अंक की प्रधानता देते हुए इसका व्यवहार अपने जीवन में कर सकते है क्योंकि ये अंक आपके लिए हितकर है। इसके अतिरिक्त अंक 1, 4, 5 एवं 8 अंक आपके लिए अव्यवहारणीय है।

आपके लिए रंगों में अनुकूल रंग सफेद, लाल, पीला एवं क्रीम रंग है। परंतु नारंगी, नीला एवं हरा रंग आपके लिए प्रतिकूल एवं अव्यवहारणीय है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में अनुकूल दिन बुधवार, शनिवार एवं शुक्रवार का दिन लाभदायक है। परंतु शेष सोमवार, मंगलवार एवं रविवार, का दिन अव्यवहारणीय है।